Source:-> Bhajansimran.com

अवध बिहारी हो कनक बिहारी हो
हम आए शरण तिहारी हो
गिरिवर धारी आये शरण तिहारी|

महा पटकी रहा अजामिल उसे मिला सुरधाम
नारायण आ गए लिया जब पुत्र का अपने नाम|

संकट हरि हो आया शरण तिहारी हो
अवध बिहारी हो आये शरण तिहारी हो|

जब जल में गजराज में युद्ध हुआ घनघोर
हर गया गज तो बोला दौड़ो नंद किशोर|

सुदर्शन धारी हो आये शरण तिहारी
अवध बिहारी हो आये शरण तिहारी हो|

हिरणकुश प्रहलाद को जब बंध खंबे के साथी
तब बोला प्रहलाद कहा हो आओ दीना नाथ|

शरण हितकारी हो आये शरण तिहारी हो
अवध बिहारी हो आये शरण तिहारी हो|

महिमा भारी हो आये शरण तिहारी हो
सुदर्शन धारी हो आये शरण तिहारी|